M.A. - II (Pali & Prakrit) (CBCS Pattern) Sem-III

MAPPCBCS301 - Anguttar Nikay Va Pali Kavya

(अंगुत्तरनिकाय व पालि काव्य)

P. Pages : 4 | **GUG/W/22/10446**

Time : Three Hours | Max. Marks : 80

* 1 5 7 3 *

सुचना :- 1. सर्व प्रश्न अनिवार्य आहेत.
सभी प्रश्न अनिवार्य है।
2. स्वीकृत माध्यमातून उत्तरे लिहा.
स्विकृत माध्यम में उत्तर लिखिए।

1. अ) ससंदर्भ भाषांतर करा. **10**

ससंदर्भ अनुवाद कीजिए।

अट्ठिमें, भिक्खवे, हेतू अट्ठ पच्चया आदिब्रह्मचरियिकाय पञ्ञाय अप्पटिलध्दाय पटिलाभाय, पटिलध्दाय, भिय्योभावाय वेपुल्लाय भावनाय पारिपूरिया संवत्तात्तिं। कतमें अट्ठ? इध भिक्खवे, भिक्खुं सत्थारं उपनिस्साय विहरति अञ्ञतरं वा गरुट्ठानियं सब्रह्मचारि यत्थस्स तिब्बं हिरोत्तप्पं पटचुपट्ठितं होति पेमं च गारवो च। अथ भिक्खवे, पठमो हेतु पठमो पच्चयो आदिब्रह्मचरियिकाय पञ्ञाय अप्पटिलध्दाय पटिलाभाय, पटिलाभाय भिय्योभावाय वेपुल्लाय भावनाय पारिपूरिया संवत्तति। सो तं सत्थारं उपनिस्साय विहरन्तो अञ्ञतरं वा गरुट्ठानियं सब्रह्मचारि, यत्थस्स तिब्बं हिरोत्तप्पं पच्चुपट्ठितं होत्ति पेमं च गारवो च तं कालेन कालं उपसङखमित्वा परिपुच्छति परिपञ्हति-

किंवा / अथवा

कुलपुत्तो' ति, भिक्खवे, नन्द सम्मा वदमानो वदेय्य बलवा' ति, भिक्खवे, नन्द सम्मा वदमानो वदेय्य पासादिको' ति भिक्खवे, नंन्द सम्मा वदमानों वदेय्य 'तिब्बरागो' ति, भिक्खवे, नन्द सम्मा वदमानो वदेय्य। किमञ्ञत्रं, भिक्खवे, नन्दो इन्द्रियेसु गुत्तद्वारो भोजने मत्तञ्ञू जागरियं अनुयुत्तो सतिसम्पजञ्ञेन समन्नागतो योहि नन्दो सक्कोति परिपुण्णं परिसुध्दं ब्रम्हचरियं चरितुं। तत्र इदं, भिक्खवे, नन्दस्स इन्द्रियेसु गुत्तद्वारताय होति। सचे, भिक्खवे, नन्दस्स पुरत्थिमा दिसा आलोकेतब्बा होति सब्बं चेतसा समन्नहरित्वा नन्दो पुरत्थिमं दिसं आलोकेति - 'एवं में पुरत्थिमं दिसं आलोकयतो नाभिज्झादोमनस्सा पापका अकुसला धम्मा अन्वास्सविस्सन्ती' ति।

ब) 'पठमलोकधम्मसुत्तं' यांचा सारांश लिहा. **6**

पठमलोकधम्मसुत्तं इसका सारांश लिखिए।

किंवा / अथवा

'उत्तरविपत्तिसुत्तां'चा सारांश सांगा.

'उत्तरविपत्तिसुत्'' का सार बताईए।

2. अ) ससंदर्भ भाषांतर करा. **10**

ससंदर्भ अनुवाद कीजिए।

चत्तारिमानि, भिक्खवे, बल्लानि। कतमानि चत्तारिं पञ्ञाबलं, वीरियबलं, अनवज्जबलं, सङ्गहबलं। कतमञ्च, भिक्खवे पञ्ञाबलं? ये धम्मा कुसला कुसलसङ्खता ये धम्मा अकुसला अकुसलसङ्खाता ये धम्मा सावज्जा सावज्जङ्खाता ये धम्मा अनवज्जा अनवज्जसङ्खाता ये धम्मा कण्हा कण्हसङ्खाता ये धम्मा सुक्का सुक्कासङ्खाता ये धम्मा असेवितब्बा असेवितब्बसङ्खाता ये धम्मा असेवितब्बा असेवितब्बासङ्खता ये धम्मा नालमरिया नालमरियासङ्खता ये धम्मा अलमरिया अलमरियासङ्खाता त्यास्स धम्मा पञ्ञाय वोदिट्ठा होन्ति वोचरिता। इंद वुच्चति भिक्खवे पञ्ञाबलं। कतमञ्च, भिक्खवे वीरियबलं? ये धम्मा अकुसला अकुसलसङ्खाता ये धम्मा सावज्जा सावज्जसङ्खाता ये धम्मा।

किंवा / अथवा

तत्र खो आयस्मा सारिपुत्तो भिक्खू आमन्तेसि - आयस्मा सारिपुत्तो एतदवोच - पुग्गलीपि, आवुसो दुविधेन वेदितब्बो सेवितब्बोपि असेवितब्बोपि। चीवरम्पि, आवुसो, दुविधेन वेदितब्बं - सेवितब्बाम्पि असेवित्तब्बम्पि। पिण्डपातोपि, आवुसो दुविधेन वेदितब्बो - सेवित्तब्बोपि असेवितब्बोपि। सेनासनम्पि आवुसो, दुविधेन वेदितब्बं - सेवितब्बाम्पि असेवितब्बाम्पि। गायनिगमोपि, आवुसो, दुविधेन, वेदितब्बो - सेवितब्बोपि असेवितब्बोपि। जनपदं पदे सोपि आवुसो, दुविधेन वेदितब्बो - सेवितब्बोपि असेवितब्बोपि। पुग्गलोपि, आवुसो, दुविधेन वेदितब्बो - सेवितब्बोपि असेवितब्बोपि इति खो पनेतं वुत्तं पनेतं वुत्तं। किञ्चेतं पटिच्चं वुत्तं? तत्थ यं जञ्ञा पुग्गलं।

ब) मेघिय सुत्तांचा सारांश लिहा. **6**

मेघिय सुत्त का सार लिखिए।

किंवा / अथवा

नन्दक सुत्ताचा सारांश लिहा.

नन्दक सुत्त का सार लिखिए।

3. अ) ससंदर्भ भाषांतर करा. **10**

ससंदर्भ अनुवाद कीजिए।

व्दे, ये, भिक्खवे, धम्मा अनपनीया। कतमे व्दे? इध, भिक्खवे, एकच्चो कतकल्याणो होति कतकुसलो कतभीरुताणो अकतपापो अकतलुद्दो अकतकिब्बिसो सो 'कत मे कल्याण' ति बि न तप्पति अकतं मे पापं' ति पि न तप्पति। इमे खो, भिक्खवे, व्दे धम्मा अत्तपनीय" ति। एतमत्थ भगवा अवोच। वत्थेत इति वुच्चति - कायदुच्चरितंहित्वा, वचीदुच्चरितानिच। मनोदुच्चरितं हित्वा, यञ्चञ्ञं दोससञ्हितं॥ अकत्थाकुसलं कम्मं, कत्वान कुसल बहुं। कायस्सा भेदा सप्पञ्ञो सग्गं सो उपपज्जती' ति। अथ पि अत्थो वृत्तो भगवता इति में सुत्तं ति॥

किंवा / अथवा

वृत्तं हेतं भगवता वृत्तमरहता ति मे सुत्तं व्दी हि, भिक्खवे धम्मेहि समन्नागतो पुग्गलो यथाभूतं निक्खितो एवं निरये। कतमेहि व्दीहि? पापकेन च सीलेन पापिकाय च दिट्ठिया इमेहि खो, भिक्खवे व्दीहि धम्मेहि समन्नागतो पुग्गलो यथाभूतं निक्खितो एवं निरये ति। एतमत्थ भगवा अवोच तत्थंतं इति वुच्चति - पापकेन च सीलेव पापिकाय च दिट्ठिया। एतेहि व्दीहि धम्मेहि यो समन्नागतो नरो। कायस्स भेदा दुप्पञ्ञो निरयं सोपपज्जती' ति॥

ब) दुतियसील सुत्तांचा सारांश लिहा. **6**

दुतिय सीलसुत्तं का सार लिखिए।

किंवा / अथवा

आतापी सुत्ताचा सारांश लिहा.

आतापी सुत्त का सार लिखिए।

4. अ) ससंदर्भ भाषांतर करा. **10**

ससंदर्भ अनुवाद कीजिए।

1) कालेन गच्छे गरुनं सकासं। थंत्रं निरंकत्वा निवातवुत्तिं
अत्थं धम्मं संयमं ब्रह्मणचरियं। अनुस्सरें चेव समाचारे च

2) धम्मारामो धम्मरतो। धम्मो ठितो धम्म विनिच्छयञ्ञू।
नेवाचरे धम्मसन्दोसंवाद। तच्छेहि निवेथ सुभत्तसितेहि॥

3) हस्संजप्पं परिदेवं पदोसं। मायाकं कुहनं गिध्दिमानं।
सारम्भ कक्कस्स कसाव मुच्छं। हित्वा चरे वीतमदो ठितत्तो॥

4) विज्जातसारानि सुभासितानि। सुतं च विञ्ञातं समाधिसारं।
न तस्स पञ्ञा च सुतं च वड्ढति। यो सालसो होति नरो पमत्तो॥

किंवा / अथवा

1) पंचकामगुणो हित्वा पियरुपे मनोरमे।
सध्दाय धरा निक्खम्म दुक्खस्सन्तकरो भव॥

2) मित्ते भजस्सु कल्याणे पन्तं च सयानासनं।
विवित्तं अप्पनिग्धोसं मत्तञ्भू होहि भोजने॥

3) चीवरे पिण्डपातो च मच्चये सयनासने।
एतेसु तण्हं माकासि मा लोकं पुनरागमि॥

4) संवुत्तो पातिमोक्खास्मिं इन्द्रियेसु च पंचसु।
सति कायगता त्वत्थु निब्बदाबहुलो भव॥

ब) धनिक सुत्ताचा सारांश लिहा. **6**

धनिक सुत्त का सार लिखिए।

किंवा / अथवा

सुत्तनिपात ग्रंथाचे महत्त्वं सांगा.

सुत्तनिपात ग्रंथ का महत्त्वं बताईए।

5. अ) टिपा लिहा **कोणतेही दोन.** **6**

टिप्पणियाँ लिखिए। **कोई भी दो**

1) अंगुत्तर निकाय 2) खुद्दक निकाय

3) इतिवृत्तक 4) सुत्तनिपात

ब) पर्यायी उत्तरे लिहा. **10**

पर्यायी उत्तरे लिखिए।

1) खुद्दकनिकायाचे स्वतंत्र्य ग्रंथ किती.
खुद्दकनिकाय के स्वतंत्र्य ग्रंथ कितने।

अ) 10 ब) 12

क) 15 ड) 18

2) इतिवृत्तक ग्रंथ कुठे येतो.
इतिवृत्तक ग्रंथ कहाँ आता है।

अ) धम्मपद ब) यमक
क) पट्ठान ड) खुद्दकनिकाय

3) अगुंत्तरनिकाय ग्रंथाचे किती निपात आहेत.
अगुंत्तरनिकाय ग्रंथ के निपात कितने हैं।

अ) एकादस ब) बारस
क) पञ्चदस ड) तेरसं

4) अंगोत्तर वाढणारे निकाय कोणते.
अंगोत्तर बढानेवाले निकाय कौनसे

अ) खुद्दकनिकाय ब) दीघनिकाय
क) अंगुत्तरनिकाय ड) मज्झिमनिकाय

5) नवकनिपातात किती विषय येतात.
नवकनिपात में कितने विषय आते हैं।

अ) नव ब) अट्ठ
क) एक ड) पञ्च

6) सुत्तनिपातात किती वग्ग येतात.
सुत्तनिपात में कितने वग्ग आते है।

अ) चार ब) पाच
क) तीन 4) दस

7) अट्ठनिपात कुठे येते.
अट्ठनिपात कहाँ आता है।

अ) सुत्तनिपात ब) अंगुत्तरनिकाय
क) इतिवृत्तक ड) धम्मपद

8) किंसील सुत्तं कुठे येते.
किंसील सुत्तं कहाँ आता हैं।

अ) सुत्तनिपात ब) अंगुत्तरनिकाय
क) इतिवृत्तक ड) उदानं

9) इतिवृत्तक ग्रंथात सुत्त संख्या किती.
ग्रंथ की सुत्त संख्या कितनी।

अ) 110 ब) 112
क) 113 ड) 115

10) तिपिटकात किती पिटक आहेत.
तिपिटक में कितने पिटक हैं।

अ) तीस ब) तीनशे
क) तीन ड) तेरा

****